इनरे जगत में जाल फेलीयो राजस्थानी भजन लिरिक्स

इनरे जगत में जाल फेलीयो,
इनरें जगत में जाल फेलीयो,
ना कोई वारम्वारा ए हा,
तीन लोक ये जग रिश्ता मे,
तीन लोक ये जग रिशता मे,
हो गया बंधु न्यारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा,
अरे परखीया बिना प्रतीक नही होवे,
परखीया बिना प्रतीक नही होवे,
कैसे होवे विस्तारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

इनरे जाल से सब जग बांधा,
इनरे जाल से सब जग बांधा,
निर्भय संगत म्हारा ए हा,
ये ओझल एसो है जानो,
ये ओझल एसो है जानो,
टूटत नही लिगारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

इनरे जाल री उल्टी ओडी,
इनरे जाल री उल्टी ओडी,
टूटत नही है लिगारा ए हा,
जो कोई हरिजन ओडी खोले,
जो कोई हरिजन ओडी खोले,
ओर करे वही पारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

है कोई संत सायब रा पूरा,
है कोई संत सायब रा पूरा,
काल जाल मे न्यारा ए हा,
उल्टो जाल पडे रे जुगत मे,
उल्टो जाल पडे रे जुगत मे,
कटे जमो रा जाला रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अरे पीवे प्याला होवे मतवाला,
पीवे प्याला होवे मतवाला,
दर्शे अपरम्पारा ए हा,
अरे कहे हेमनाथ सुनो भई साधु,
केवे हेमनाथ सुनो भई साधु,
निरखलीया निरधारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

इनरे जगत में जाल फेलीयो,
इनरें जगत में जाल फेलीयो,
ना कोई वारम्वारा ए हा,
तीन लोक ये जग रिश्ता मे,
तीन लोक ये जग रिशता मे,
हो गया बंधु न्यारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा,
अरे परखीया बिना प्रतीक नही होवे,
परखीया बिना प्रतीक नही होवे,
कैसे होवे विस्तारा रे संतो,
हरि को सिवर नित प्यारा ए हा।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com